

Pastor's Page

Greetings!

The cold wave has not been able to dampen the theme and the passion for soul winning at all. Subsequently for the last four Sundays of this month, we have been constantly learning about Christlikeness. The key to this theme of the year lies in the will of God as expressed in **Rom. 8:29** - **"For those whom he foreknew he also predestined to be conformed to the image of his Son...."** It is his will and is not an option for us. He wants us to mature from being just believers into disciples. A disciple is a copycat of his teacher. We are called to a transformed life so that we can be transformers in the life of others. As we saw last Sunday this conformation of life is a complete transformation from inside out. It is unlike what we have been.

We were reminded both in the Church and at the two day workshop at YWCA that people of God are called to one purpose i.e. to fulfil the Great Commission. Every one is called to be a disciple and to go and make disciples and not just be a believer. No one professing true faith in Christ can say no to this transformation process and ultimate purpose and responsibility. No one is excused and hence there is no excuse for not committing oneself to it.

It is easy to be a just a believer which results in becoming religious, but it is difficult to be a disciple which results in forever remaining relational with God through Jesus, His one and only Son. It involves a cost which is to carry the cross everyday. It does not mean to carry some kind of burden but willingness to die in order to follow Jesus. This is called **"dying to self."** It's a call to absolute surrender. Only then the character of Christ will begin to exhibit in our lives and people will get to see Jesus in us.

Friends, the evolution to becoming a disciple is vital to become Christ like. Do we love Him enough to be willing to do so?

Praise God for the FCC evangelistic meeting on 26th Jan. 11 new people came to the meeting. Praise God also for the special workshop by conducted by Archarya Vikas Massey in YWCA on 29th and 30th of Jan. We thank God for the ministry of Archarya Vikas Massey. May God continue to use him for His glory and the extension of His kingdom!

In His servitude,
The Editorial Board

पास्टर का प्रष्ठ

अभिनेंदन!

शीत लहर इस साल के विषय-वास्तु और आत्माओं को जितने के जूनून को ठंडा करने में पूर्ण रूप से नाकामयाब रही। पिछले चार रविवार से हम लगातार मसीही समानता पर सिख रहे हैं। इस विषय-वास्तु की मुख्य कुंजी परमेश्वर के इच्छा में है जिसे **रोमियों ८:२९** में यूँ बताया गया है - **"क्योंकि जिन्हें उस ने पहिले से जान लिया है उन्हें पहिले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों ताकि वह बहुत भाइयों में पहिलौठा ठहरे।"** यह उसकी इच्छा हैं कोई विकल्प नहीं। वह चाहता है की हम केवल विश्वाशी नहीं बल्कि चेले बन जाए। चेला अपने गुरु का नकल होता है। हमें इस परिवर्तित जीवन के लिए बुलाया गया है ताकि हम दूसरों के जीवन में परिवर्तन ला सके। जैसा हम ने पिछले रविवार देखा की यह जो जीवन का बदलाव है इक पूर्ण रुपान्तरण है जो अंदर के बहार की और है। यह पहले जीवन के समान नहीं।

हमें कलीसिया और वाई०दब्लियु०सी०ए में दो दिन की प्रशिक्षण सभा में याद दिलाया गया की परमेश्वर के लोगों को एक ही उद्देश्य के लिए बुलाया गया है और वह है महान आज्ञा की पूर्ति। हर एक को चेला बनने और जाकर चेला बनाने के लिए बुलाया गया है। कोई भी जो मसीह में सच्चा विश्वास रखता है इस रुपान्तरण के प्रक्रिया और परम उद्देश्य और जिम्मेदारी को ना नहीं कर सकता। इस विषय में किसी को भी छूट नहीं दी गई हैं इसीलिए कोई बहाना नहीं बना सकता और इसके प्रति असमर्पित नहीं रह सकता।

एक विश्वासी होना आसान है जिसका परिणाम मजहबी होना हैं, लेकिन एक चेला बनना कठिन हैं जिसका परिणाम है मसीह, उसके इकलौती पुत्र के द्वारा हमेशा परमेश्वर के साथ एक रिश्ते में रहना। इसका एक मोल है जो है हर दिन अपने सलीब को उठाना। इसका अर्थ कोई बोझ उठाना नहीं बल्कि यह मरने की इच्छा रखना है क्योंकि यीशु के पीछे चलना हैं। इसे कहते हैं **"स्वयं के प्रति मरना।"** यह सम्पूर्ण समर्पणम् है। तब ही मसीह का चरित्र हमारे जीवन में उभरेगा और लोग यीशु को हमें देख पाएंगे।

मित्रों, मसीह की समानता में बड़ने के लिए चेला बनना आवश्यक है। क्या हम उसे इतना प्यार करते हैं की हम एसा करने के लिए तैयार हो?

परमेश्वर की महिमा हो २६ जनवरी के एफ०सी०सी सुसमाचार प्रचार सभा के लिए। ११ नए लोग सभा में आए। परमेश्वर की महिमा हो २९ और ३० जनवरी के खास प्रशिक्षण सभा के लिए जिसे आचार्य विकास मेसी दिया। हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं आचार्य विकास मेसी की सेवकाई के लिए। परमेश्वर उन्हें निरंतर अपनी महिमा और राज्य की बढ़ोतरी के लिए इस्तेमाल करता रहे!

उसके दासता में,
सम्पादकीय बोर्ड

Coming Up This Week:

1. The Fasting Prayer on Friday, the 5th of February will be held at the residence of Br. Inderjit, Baltana. Time 11 am.
2. There will fellowship lunch on 7th February after the service.
3. On 7th February there will be a youth meeting after the fellowship lunch.

Praise and Prayer Corner:

1. Praise God for the follow up program on the 26th of January.
2. Praise God for the two day workshop by Acharya Vikas Massey.
3. Pray for unity and revival in India.
4. Pray for FCC Churches and ministry, especially pray for Manipur FCC and Pas. Prem.
5. Pray for the sick.

